SHRI SYED SIBTEY RAZI: I can continue tomorrow.

SHRI SUKOMAL SEN: We should adjourn at six.

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA[1]); You can speak for three minutes more.

श्री सैयद सिब्ते रज़ी : तो उन ताकतों को जो धार्मिक उन्माद का सहारा लेकर धर्म के जज्बातों का सहारा लेकर इस देश के मौलिक, इस देश के लोकतांत्रिक ढांचे को कमजोर कर रहे हैं, उन्हें मालूम होना चाहिए कि यदि देश में लोकतंत्र नहीं रहेगा तो फासिज्म आ जाएगा। यदि देश में फासिज्म आ जाएगा तो देश के अंदर लोकतंत्र समाप्त हो जाएगा। तो देश के अंदर हिन्दु मुसलमान की बात मत करो, इस देश के अंदर असंख्य जातियां रहती हैं, इस देश के अंदर मुख्तलिफ भाषायें बोलने वाले, विभिन्न पहनावे पहनने वाले लोग रहते हैं। यह देश कहीं कन्याकुमारी है, कहीं काश्मीर है, कहीं तमिलनाडु है, कहीं आंध्र प्रदेश है, यह देश कहीं गुजरात है, कहीं बंगाल है और हर प्रदेश की अपनी विशेषतायें हैं। यदि हम हिन्दु मुसलमान के इस मसले को फासिज्म के जरिए, धार्मिक उन्माद का सेहारा लेकर देश में मंदिर और मसजिद के नाम पर सत्ता में पहुंचने की कोशिश करेंगे तो

हमें जब न होंगे तो क्या रंगे महफिल
किसे देखकर आप शरमाइएगा ?

तो ऐसी परिस्थितियों में हमें समझदारी का सबूत देना चाहिए। निश्चित रूप से मौजूदा सरकार किन परिस्थितियों में आई, यह तो आप भलीभांति जानते हैं। आज भरसक प्रयास इस बात का किया जा रहा है, बार-बार इस बात को शक्ति देने की कोशिश की जा रही है कि हमारी पार्टी चुनाव नहीं चाहती, कांग्रेस पार्टी चुनाव नहीं चहती। भारतीय जनता पार्टी चुनाव चाहती है, जनता दल चुनाव चाहता है, दूसरी पार्टियां चुनाव चाहती हैं, लेकिन कांग्रेस चुनाव नहीं चाहती। हमारा एक ही सवाल है आपसे इस बारे में कि पिछले चुनाव नवंबर 1989 में हुए थे। हर पार्टी ने अपने मैनिफैस्टो में यह कहा था कि हम स्थाई सरकार देंगे। स्थाई सरकार कितने दिनों के लिए ? स्थाई सरकार एक साल के लिए ? स्थाई सरकार 6 महीने के लिए ? स्थाई सरकार चार साल के लिए या 5 साल के लिए ? तो जनमानस के अंदर जाकर चुनाव लड़ते समय इस बात का प्रचार किया गया कि हमें एक बार वोट देंगे तो हम 5 साल के बाद वोट मांगने आयेंगे। आज किस मुंह से किस बेशर्मी के साथ कह रहे हैं कि चुनाव होने चाहिएं ? हमारा देश बड़ी समस्याओं से जूझता हुआ देश है। हमारी आर्थिक समस्यायें हैं। न जाने कितने गांव हैं जहां रोशनी नहीं है। न जाने कितने गांव हैं जहां पीने का पानी नहीं है। न जाने कितने गांव हैं जहां स्कूल नहीं हैं। न जाने कितने गांव हैं जहां हैल्थ सेंटर नहीं हैं। न जाने कितने करोड़ों लोग हैं जो अशिक्षित हैं, जिनको अक्षर पढ़ना भी नहीं आता। न जाने कितनी झोपड़ियां हैं जहां खाने की व्यवस्था नहीं है, आज बार-बार चुनाव का नारा लगाने वाले, देश की आर्थिक परिस्थितियों पर आर्थिक दबाव डालने वाले, देश के, लोकतंत्र के हितैषी नहीं हैं

(भाषण समाप्त नहीं हुआ)

6.00 P.M.

THE VICE-CHAIRMAN (DR, NAGEN SAIKIA): You can continue your speech tomorrow.

ALLOCATION OF TIME FOR DISPOSAL OF GOVERNMENT AND OTHER BUSINESS

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA); I have to inform Members that the Business Advisory Committee at its meeting held today, the 26th February, 1991, allotted 4 hours for the "General discussion on the Interim Railway Budget for 1991-92". The Committee recommended that a discussion on Tamil Nadu may be taken *up* **after the** reply to **the**

Motion of Thanks on the President's Address on the 6th March, 1991 and allotted 3 hours for the same.

The Committee also recommended that the sitting of the House Axed for Thursday, the 28th February, 1991, be cancelled.

Now, the House stands adjourned till 11 A.M. tomorrow.

The House then adjourned at one minute past six of the clock till eleven of the clock on Wednesday, the 27th February, 1991.